

बफर राज्य पुं. (अं.+तत्.) राज. अंतःस्थ राज्य, दो देशों के बीच स्थित देश जो दोनों देशों के बीच टकराव को रोक सके।

बफर-स्टॉक पुं. (अं.) अन्न, चीनी, सीमेंट आदि का सुरक्षित भंडार जो आवश्यकता के अनुसार बाजार में भेजा जा सके।

बबुआ पुं. (देश.) 1. बेटे या दामाद के लिए प्यार का संबोधन 2. जमींदार, रईस 3. मिट्टी का छोटा खिलौना।

बबूल पुं. (तद्.) कीकर, मझोले कद के एक काँटेदार वृक्ष का नाम।

बबूला पुं. (देश.) 1. सफेद रंग का पक्षी जिसकी टाँगें, चोंच और गला लंबा होता है और पूंछ छोटी होती है 2. बुलबुला, पानी का बुल्ला, बुदबुदा।

बभ्रु वि. (तत्.) 1. गहरे भूरे रंग का, खल्लाट, गंजा पुं. गहरा भूरा रंग, भूरे बालों वाला व्यक्ति 2. शिव 3. विष्णु 4. चातक-पक्षी 5. अग्नि 6. नेवला, नेवली 7. सफाई।

बभ्रुक पुं. (तत्.) 1. एक नक्षत्र का नाम 2 एक प्रकार का नेवला।

बभ्रुकर वि. (तत्.) भूरा रंग कर देने वाला।

बभ्रुकरण पुं. (तत्.) भूरा रंग करने की क्रिया/भाव।

बभ्रुलवक स्त्री. (तत्.) भूरे रंग की चमक, बिजली।

बम स्त्री. (अनु.) छोटा नगाड़ा पुं. (देश.) शिव के उपासकों का "बम" शब्द, स्त्री. (देश.) घोड़ा गाड़ी में लगाने वाला लंबा बाँस जिसमें घोड़ा जोता जाता है पुं. (अं.) एक प्रकार का विस्फोटक रासायनिक गोला जिसके फटने से जोर की आवाज और भारी विनाश होता है।

बमकना अ.क्रि. (अनु.) उत्तेजित या क्रोधित होकर जोर से बोलना, चिल्लाना, अपनी बहुत प्रशंसा करना, गर्वोक्ति करना, डींग हाँकना, शेखी मारना, उछलना, जोर की आवाज के साथ फूटना।

बमचख स्त्री. (देश.) शोर गुल, लड़ाई-झगड़ा, बगावत।

बमबाज पुं. (देश.+फा.) वह व्यक्ति जो शत्रु पर या अन्यत्र बम के गोले फेंकता हो, बम गिराने वाला व्यक्ति वि. बम गिराने वाला।

बमीठा पुं. (तद्.) वल्मीक, बमा, दीपकों की बाँबी, भिटका, भीटा बँबीठा, साँप का बिल।

बया स्त्री. (तद्.) एक छोटी चमकीले पीले माथे वाली चिड़िया जो अत्यंत कुशलता से बुन-बुन कर अपना बोटलनुमा घोंसला बनाती है जो वृक्षों पर हवा से झूलते रहते हैं पुं. (देश.) जो अनाज तौलने का काम करता हो, बाय-यानि बेचने वाला, तुलैया।

बयाना पुं. (अर.) विक्रय, सौदा पक्का करने के लिए दी गई अग्रिम धन-राशि, पेशगी।

बयार स्त्री. (तद्.) वायु, पवन, हवा।

बयासी वि. (तद्.) जो संख्या में अस्सी से दो अधिक हो, इस संख्या की सूचक संख्या अर्थात् 82 सं. द्विअशीति।

बर पुं. (तद्.) 1. वर, दुलहा, विवाह के लिए चुना गया पुरुष, पति 2. वरदान, आशीर्वाद सूचक अटल बचन, देवता या बड़े से माँग या मनोरथ, आश्वासन 3. कपड़े या किसी लंबी चीज की चौड़ाई वि. अच्छा, उत्तम पुं. (देश.) 1. बल, शक्ति, वट, वट-वृक्ष, बरगद 2. व्यापार का व्यवसाय के विशेष अंग 3. रेखा लकीर पुं. (फा.) वृक्ष का फल, प्रतिज्ञा, हक, पूर्ण सफल, तुलना में बढ़कर, श्रेष्ठ, अव्य. (फा.) ऊपर, पर, आगे, सामने, अलग, विपरीत दिशा में, प्रतिकूल, खिलाफ।

बरई पुं. (देश.) 1. तमोली, बाड़ी, वाटी और व्यापार करने वाली जाति 2. इस जाति का व्यक्ति 3. पान की खेती।

बरकत स्त्री. (अर.) 1. वृद्धि, बढ़ोतरी, बढ़ती, प्रचुरता, अधिकता, सौभाग्य, खुशकिस्मती, ईश्वर की कृपा से गुप्त रूप से धन-वृद्धि, लाभ, फायदा, समाप्ति, अंत 2. एक का अंक।

बरकना अ.क्रि. (तद्.) वारण, निवारण होना, दूर रहना या दूर रखा जाना, अशुभ/अप्रिय बात या संकट आदि से बचना या बचाया जाना, निवारित होना, रुकना, दूर रहना।